



संसद का प्रश्न: पूर्वानुमान प्रणाली

भारत मौसम पूर्वानुमान प्रणाली: मौसम पूर्वानुमानों की सटीकता

प्रविष्टि तिथि: 29 JAN 2026 5:08PM by PIB Delhi

भारत पूर्वानुमान प्रणाली (भारतएफएस) नवनिर्मित त्रिकोणीय घन अष्टफलकीय (टीसीओ) गतिशील ग्रिड पर आधारित है, जो मॉडल को लगभग 6 किमी के क्षेत्रिज रिज़ॉल्यूशन पर कार्य करने में सक्षम बनाता है। इसमें स्थलाकृति का बेहतर निरूपण, बेहतर फ़िल्टरिंग और बेहतर संरक्षण गुण हैं। क्षेत्रिज रिज़ॉल्यूशन में वृद्धि के साथ, भारतएफएस प्रत्येक 6 किमी पर अलग-अलग पूर्वानुमान उत्पन्न कर सकता है। इतने उच्च रिज़ॉल्यूशन पर भारतएफएस की बेहतर दक्षता के साथ, मॉडल ज़िला और ब्लॉक स्तरों पर मौसम पूर्वानुमान और चरम स्थितियों के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है, जो आमतौर पर 12 किमी या उससे अधिक होते हैं।

किसानों, मछुआरों और आपदा-ग्रस्त समुदायों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली में सुधार

भारतएफएस 6.5 किमी की ऊँचाई पर वर्षा, तापमान, निम्न दबाव क्षेत्र की उत्पत्ति और अन्य महत्वपूर्ण वायुमंडलीय स्थितियों का 10 दिवसीय पूर्वानुमान प्रदान करता है, जिससे किसानों, मछुआरों और आपदा-ग्रस्त समुदायों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रारंभिक चेतावनी जारी करने में मॉडल मार्गदर्शन सक्षम होता है।

स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं को प्रशिक्षण

मॉडल के परिणाम सीधे हितधारकों तक नहीं पहुंचाए जाते हैं; हालांकि, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इस मॉडल का उपयोग चक्रवातों, अत्यधिक भारी वर्षा और अन्य संबंधित घटनाओं के बारे में परिचालन पूर्वानुमान और सलाह जारी करने के लिए करता है, जो आपातकालीन सेवाओं के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

ऐप्स या प्लेटफॉर्म में एकीकरण

भारतएफएस मॉडल के परिणाम निम्न सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आईएमडी वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/bharatfsproducts_cycle00_mausam_ar.php पर प्रदर्शित किए जाते हैं।

शहरी जल निकासी और बाढ़ नियंत्रण अवसंरचना की योजना बनाने में सहायता

भारतएफएस मॉडल एक वैश्विक मॉडल है जो 6.5 किमी क्षेत्रिज रिज़ॉल्यूशन पर वायुमंडलीय चर का 10-दिवसीय पूर्वानुमान प्रदान करता है। हालांकि, मॉडल के परिणाम क्षेत्रीय बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल के लिए प्रारंभिक और सीमा शर्तों के रूप में कार्य कर सकते हैं, जो बाढ़-विशिष्ट चर (नदी प्रवाह, जल स्तर और बाढ़ का विस्तार) उत्पन्न कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शहरी जल निकासी और बाढ़ नियंत्रण अवसंरचना की योजना बनाने में सहायता मिलती है।

यह जानकारी पृथ्वी विज्ञान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

पीके/केसी/एनएम

(रिलीज़ आईडी: 2220572) आगंतुक पटल : 32
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu